NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 6 FEBRUARY 2025

DAILY NEWS

मैत्री महोत्सव में दिखा भारत-नेपाल सभ्यता और संस्कृति का संगम

Publication	दैनिक जागरण (सिदधार्थनगर एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 02

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते अयोध्या के कलाकार • जागरण

कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार व उपस्थित छात्राएं • जागरण

महात्मा गौतम बुद्ध हैं भारत–नेपाल के संबंधों के वटवृक्ष

तीन दिवसीय भारत–नेपाल मैत्री महोत्सव का हुआ शुभारंभ, भारत व नेपाल के संबंध और प्रगाढ़ बनाने का लिया संकल्प

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का दीप जलाकर शुभारंभ करते सांसद जगदंबिका पाल व अलीगढ़वा बार्डर से मैत्री महोत्सव का शुभारंभ करते हुए सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की तरफ जाते कलाकार व अन्य • जागरण

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव को संबोधित करती कुलपति प्रो.कविता शाह व मैत्री महोत्सव में लगा मोदी और योगी का कटआउट • जागरण

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : सांसद जगदंबिका पाल ने बुधवार को कहा कि गौतम बुद्ध भारत और नेपाल के संबंधों के वटवृक्ष हैं। वटवृक्ष की छाया में संबंधों में और प्रगाढ़ता आ रही है। यह संबंध भी आज के नहीं है, हमारे पूर्वजों के समय से ही सौहार्द पूर्ण है। भारत और नेपाल की संस्कृति में भी समानता है। यह मैत्री महोत्सव इसे और भी मजबूत बनाने का काम करेगा।

सांसद जगदंबिका पाल ने यह बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में प्रारंभ तीन दिवसीय भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के शुभारंभ सत्र में कही। उन्होंने महोत्सव का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। महोत्सव में भारत और नेपाल के कलाकार लोक कला की प्रस्तुति देंगे। इसमें दोनों देश के जनप्रतिनिधियों ने भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय की ओर से हो रहा है। कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक, पारंपरिक और शिक्षा का संबंध रहा है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय इसे और भी प्रगाढ़ बनाने का काम कर रहा है। गौतम बुद्ध की क्रीड़ास्थली में बने इस संस्थान में नेपाल के छात्र शिक्षा ग्रहण करने के लिए आ रहे हैं। यह छात्र जब यहां से शिक्षा ग्रहण करके जाएंगे तो सिवि के राजदूत के रूप में पहचान बनेंगे। सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी का संबंध है। नेपाल की खुली सीमा इस मित्रता को बताती है। ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। इससे दोनों देश के बीच रिश्ते और भी प्रगाढ़ होंगे। जिलाधिकारी डा. राजगणपति आर ने कहा कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के आयोजन से दोनों राष्ट्र के संबंध और भी मधुर होंगे। संचालन विजित सिंह ने किया। पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन, कुलसचिव डा. अमरेंद्र कुमार सिंह, कार्यक्रम के संयोजक प्रो. हरीश कुमार शर्मा, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व एसडीएम सदर कल्याण सिंह मौर्या, डा. अविनाश प्रताप सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

पदयात्रा कर सीमा से भारत में आए नेपाल के कलाकारः नेपाल के कलाकारों ने भारत में पदयात्रा किया। इनके साथ भारत के कलाकार भी रहे। यह सभी कलाकार अपनी पारंपरिक वेशभूषा में पदयात्रा कर रहे थे। नेपाल के कलाकारों ने वहां के चाकरचौड़ा बाजार से पदयात्रा करते हुए कपिलवस्तु (अलीगढ़वा) में प्रवेश किया। इस दौरान ढोल-नगाड़ा बजता रहा। मैत्री के प्रतीक के रूप में तिरंगा के साथ नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज को साथ में लेकर लोग चल रहे थे।

आकर्षण का केंद्र बना महाकुंभ का कटआउटः भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय ने दोनों देश के महत्वपूर्ण धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों की चित्र प्रदर्शनी लगाई है। इसमें स्थलों के इतिहास के संबंध में बताया गया है। वहीं प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का कटआउट लोगों को आकर्षित करने का काम किया।

भारत में चार धाम करने के लिए जाते हैं नेपाल निवासी

सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में नेपाल के जनप्रतिनिधियों ने अपने राष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने भारत और नेपाल के बीच प्राचीन काल से चले आ रहे संबंधों पर प्रकाश डाला। गौतम बुद्ध से नेपाल और भारत के रिश्ते को भी बताया। भारत के धार्मिक स्थलों की नेपाल में महत्ता को भी बताया।

विष्णु पंथी

ईश्वर दयाल मिश्रा

नेपाल के लुम्बिनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विष्णु पंथी ने कहा कि भारत और नेपाल एक-दूसरे के पूरक है। गौतम बुद्ध की ननिहाल लुम्बिनी में है। उनका जन्म लुम्बिनी के देवदह में हुआ था। लेकिन उन्होंने ज्ञान भारत में प्राप्त किया। गौतम बुद्ध ने विश्व को शांति और अहिंसा का संदेश दिया। उनके बताए मार्ग पर चलने से पूरे विश्व में सुख और शांति होगी। पूर्व मंत्री नेपाल सरकार ईश्वर दयाल मिश्रा ने कहा कि भारत हमेशा नेपाल के साथ भाई और बंधुत्व का संबंध रखता है। भारत ने नेपाल को चार प्रधानमंत्री दिए हैं। नेपाल के इन प्रधानमंत्री ने भारत में जन्म लेने के साथ वहीं पर शिक्षा ग्रहण की। नेपाल के लोग धार्मिक कर्मकांड के लिए भारत जाते हैं। चार धाम करने के लिए प्रतिदिन नेपाल से दर्जनों बस से श्रद्धालु रवाना होते हैं।

भारत व नेपाल के कलाकारों ने मोहा दर्शकों का मन

सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हो रहे तीन दिवसीय भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के पहले दिन बुधवार को लोक कलाकारों ने सामूहिक लोक नृत्य प्रस्तुत किया। धार्मिक और प्राचीन संस्कृति को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। अयोध्या से आए कलाकारों ने अवधी भाषा में भगवान राम की बरात को जनकपुरी में पहुंचने का मंचन किया। नेपाल के कलाकारों ने ठंड के मौसम पड़ने वाले पर्व पर होने महोत्सव की प्रस्तुति नृत्य के माध्यम से दी। महोत्सव में अयोध्या के कलाकारों ने बधावा लोकनृत्य प्रस्तुत किया। इसमें श्रीराम के जन्म पर लोगों के उत्साह का वर्णन किया। सामूहिक नृत्य में महिला कलाकारों ने उस काल में अयोध्या में श्रीराम के जन्म लेने के बाद हुए उत्सव का मंचन किया। इसके बाद नेपाल के कलाकारों ने कौड़ा लोकनृत्य का मंचन किया। ठंड के मौसम में पड़ने वाले पर्व पर नेपाल में महोत्सव का आयोजन होता है। लोग इस दौरान अलाव (कौड़ा) के चारों ओर घेरा बना कर नृत्य करते हैं और लोकगीत गाते हैं। तीसरा कार्यक्रम अयोध्या के कलाकारों ने लोकनृत्य फरुआही प्रस्तुत किया। पूर्व काल में युद्ध में विजय प्राप्त करने और फसल कटने के बाद लोग फरुआही नृत्य करते रहे। इसमें श्रीराम के बारात और हनुमान की वीरगाथा का मंचन किया। नेपाल के कलाकरों ने वहां के लोकनृत्य मारुनी प्रस्तुत किया।

बुलडोजर बाबा चाप रहे, माफिया हाफ रहे हैं : निरहुआ

कपिलवस्तु : आजमगढ़ के पूर्व भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने कहा कि वह छोटे तो लगातार यही सुनते थे। यहां राहजनी हुई। यहां लूट हो गई। यहां डकैती पड़ी है। बड़े हुए और योगी जी की सरकार आई। तब यही सुनाई पड़ रहा है कि यहां एनकाउंटर हुआ। वहां मुठभेड़ में बदमाश मारा गया। संबोधन के दौरान पूर्व सांसद ने भोजपुरी में गीत भी प्रस्तुत किया कि बुलडोजर बाबा चाप रहे हैं। माफिया हाफ रहे हैं। पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में आयोजित भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देने आये थे। उन्होंने आइल दुआरे बानी हे देवी माई, रउआ से का आपन परिचय बताई से कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान कई लोग मंच के सामने थिरकते दिखे। उसके बाद एक के बाद एक गीत प्रस्तुत करके योगी-मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी दी। अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने लोगों को झूमने पर मजबूर किया और गुदगुदाया भी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि जब वह सांसद थे तो भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए सदन में आवाज उठायी थी। इसका समर्थन सिद्धार्थनगर के सांसद जगदंबिका पाल ने भी किया था। अंत में पूर्व सांसद ने लोगों से कहा कि इस बार बहुत बड़ा अवसर है। महाकुंभ में स्नान करिये और पुण्य के भागीदार बनिये।

Publication	अमर उजाला (सिद्धार्थनगर एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 04

मैत्री महोत्सव का रंगारंग आगाज, निरहुआ के गीतों पर झूमे दर्शक

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में शुरू हुआ आयोजन, दो दिन और होंगे विविधि कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

कपिलवस्तु। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव की बुधवार को रंगारंग शुरूआत हुई। भारत व नेपाल के जनप्रतिनिधियों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति ने द्वीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। महोत्सव में भोजपुरी कलाकार पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ के गानों पर लोग झूमते नजर आए।

19 दिवसीय भारत नेपाल मैत्री महोत्सव का आठ स्थानों पर आयोजन होना है, जिसका शुभारंभ सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से हुआ। इसके तहत सात फरवरी तक यहां विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अन्य सात सीमाई जिलों में इस कार्यक्रम का आयोजन होना है।

मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि दोनों देशों के संबंध को और मजबूत बनाने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन बहुत जरूरी है। पिछले वर्ष से शुरू हुए इस भारत नेपाल मैत्री महोत्सव की शुरुआत भगवान बुद्ध की धरती कपिलवस्तु से होती है।

उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर जनपद की भूमिका भारत नेपाल संबंध को प्रगाढ़ और विस्तार देने में महत्वपूर्ण है। सड़क से लेकर संसद तक भारत नेपाल संबंध की मजबूती पर विमर्श निरंतर होता रहता है।

कुलपति प्रोफेसर कविता शाह कहा कि भारत नेपाल मैत्री की दृष्टि से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय मैत्री में अपनी भूमिका का निर्वहन करने में सक्षम है। उन्होंने कहा भारत और नेपाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत बहुत गहरी है।

भारत और नेपाल के बीच न केवल रोटी बेटी का संबंध है अपितु विस्तृत संस्कृति के साथ सामाजिक आध्यात्मिक धार्मिक राजनीतिक और धार्मिक संबंध सदियों से रही है। दोनों देशों के विद्यार्थियों के माध्यम से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय भारत नेपाल मैत्री का ब्रांड एंबेसडर बन सकता है। विधायक श्याम धनी राही ने कहा की उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत और नेपाल के सीमावर्ती जिलों के बीच निरंतर संबंध की मजबूती के लिए कार्य कर रही है।

नेपाल सरकार में पूर्व मंत्री ईश्वर दयाल मिश्र ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और जनमानस का संबंध बहुत प्राचीन है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय नेपाल के तमाम युवक अंग्रेजों के विरुद्ध भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ मिलकर क्रांति में भागीदार बने थे। विधायक विष्णु पंथी ने कहा की नेपाल भारत का स्थायी और विश्वसनीय मित्र है। भारत के लोग नेपाल के प्रति बहुत ही आत्मीय भाव रखते हैं। राजनीतिक स्तर पर भी इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है। विधायक मकसूदन चौधरी ने कहा कि दोनों देशों के जनप्रतिनिधियों को मिलकर संबंध को और मजबूत बनाने के लिए पहल लगातार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत नेपाल सीमा अलीगढ़वा को खोलने के लिए केंद्रीय मंत्री बलराम अधिकारी सदन में उठाया गया है। इस अवसर डीएम डॉ. राजा गणपति आर, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विषय प्रस्तावना एवं स्वागत उद्बोधन संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सहायक निदेशक डॉक्टर राजेश अहिरवार ने दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से भारत नेपाल के सीमावर्ती आठ जिलों में आयोजित हो रहा भारत नेपाल मैत्री महोत्सव दोनों देशों के बीच संबंध को और मजबूत बनाने का एक सकारात्मक अभियान का हिस्सा है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का शुभारम्भ करते सांसद जगदंबिका पाल साथ में कुलपति प्रो. कविता शाह व अन्य। संवाद

भारत नेपाल मैत्री महोत्सव में मौजूद अतिथि। संवाद

भारत नेपाल मैत्री महोत्सव में गायिका करिश्मा पांडेय। संवाद

करतब दिखाते नेपाल और भारत के कलाकार। संवाद

बुलडोजर बाबा चांप रहे, माफिया हांफ रहे... पर खूब बजीं तालियां

संवाद न्यूज एजेंसी

कपिलवस्तु। भारत- नेपाल मैत्री महोत्सव में मुख्य आकर्षण का केंद्र लोक गायक दिनेश लाल यादव निरहुआ का लोक गीत रहा। जैसे ही दिनेश लाल यादव का आगमन मंच पर हुआ वैसे ही उपस्थित श्रोताओं ने तालियों से स्वागत किया। निरहुआ ने जैसे ही माइक संभाला लोग अपने स्थानों पर झूमने लगे।

इसके बाद मैरून कलर साड़ियां गीत पर पूरा पंडाल झूम उठा, फिर निरहुआ रिक्शा वाला पर भी लोग थिरकने लगे। श्रोताओं की मांग पर दिनेश लाल यादव ने बुलडोजर बाबा चांप रहे हैं माफिया हांफ रहे हैं... पर खूब तालियां बजीं।

उसके बाद उन्होंने गया कि हे राजा हमके बनारस घुमाय द पर श्रोता झूम उठे, देखते ही देखते कार्यक्रम में आये अन्य कलाकार एवं दर्शक दीर्घा के लोग निराहुआ के गीतों पर थिरकने लगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अयोध्या क्षेत्र का बधावा लोक नृत्य तथा लोकगीत प्रस्तुत किया गया।

इसी क्रम में अयोध्या का ही फरवाही लोक नृत्य श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नेपाल के कलाकारों में भी बहुत अच्छी प्रस्तुतियां दी जिसमें उनके द्वारा काठमांडू का कौड़ा नृत्य तथा मारुनी नृत्य श्रोताओं को बहुत पसंद आया।

मैत्री महोत्सव में प्रस्तुति देते दिनेश लाल यादव निरहुआ। संवाद

हे राजा हमके बनारस घुमाय द... पर झूम उठे दर्शक

कार्यक्रम में किसी को प्रतिबंधित नहीं करना चाहिए : निरहुआ

कपिलवस्तु। भारत नेपाल मैत्री महोत्सव में बिना पास के लोगों के आने पर प्रतिबंध लगा देने पर गेट के बाहर भारत नेपाल दोनों देशों लोगो के नागरिकों में नाराजगी देखने को मिली। इस कार्यक्रम में सिर्फ लिमिटेड लोगो का ही प्रवेश था। जिस पर कार्यक्रम में आए भोजपुरी कलाकार दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में किसी को प्रतिबंधित नहीं करना चाहिए। दोनों देशों की संस्कृति को साझा करने से दोनों देशों के संबंधों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोगों को गेट पर प्रवेश न देना अच्छी बात नहीं है। वही इस मामले में बतौर अतिथि के रूप में आए पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के विधायक मकसूदन चौधरी ने कहा कि यदि लोगों का प्रवेश न रोका जाता तो दोनों देशों के सैकड़ों लोग कार्यक्रम में पहुंचते जिससे उन्हें कार्यक्रम को देखने का मौका मिलता और भारत नेपाल मैत्री महोत्सव का उद्देश्य साकार होता। संवाद

Publication	हिन्दुस्तान (सिदधार्थनगर एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 04

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में बुधवार को भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार (बाएं)। कार्यक्रम में मौजूद लोग। ●हिन्दुस्तान

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का सांसद जगदंबिका पाल, कुलपति प्रो. कविता शाह ने किया उद्घाटन

मैत्री बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगी विवि की भूमिका

बोले सांसद

सिद्धार्थनगर, वरिष्ठ संवाददाता। भारत और नेपाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत बहुत गहरी है। भारत और नेपाल के बीच न केवल रोटी बेटी का संबंध है अपितु विस्तृत संस्कृति के साथ सामाजिक, आध्यात्मिक, राजनीतिक और धार्मिक संबंध सदियों से रही है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में नेपाल के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

विश्व विद्यालय में उन्हें सारी सुविधाएं भारतीय विद्यार्थियों की तरह से प्राप्त हैं। यह विद्यार्थी भारत नेपाल संबंध को प्रगाढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में बुधवार को भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहीं।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के विद्यार्थियों के माध्यम से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय भारत नेपाल मैत्री का ब्रांड एंबेसडर बन सकता है। भारत नेपाल के मध्य एजुकेशन एनर्जी और कलर का बहुत गहरा प्रभाव है। विश्वविद्यालय नेपाल के साथ कई क्षेत्रों में समझौता ज्ञापन करने के लिए प्रयासरत है। यह समझौता भारत नेपाल संबंध की मजबूती में मील का पत्थर साबित होगा। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि सिद्धार्थनगर जिले की भूमिका भारत नेपाल संबंध को प्रगाढ़ और विस्तार देने में महत्वपूर्ण है। सड़क से लेकर संसद तक भारत नेपाल संबंध की मजबूती पर विमर्श निरंतर होता रहता है। 2014 के बाद भारत के लिए नेपाल के साथ संबंध अत्यंत मधुर और भी विश्वसनीय बनाने की अनवरत प्रक्रिया चल रही है।

दोनों देशों के बीच संबंध और भी प्रगाढ़ हुए हैं। आज पूरी दुनिया गौतम बुद्ध के शांति और करुणा के अमर संदेश को आत्मसात कर रही है। भारत गौतम बुद्ध के दिए गए संदेश के माध्यम से पूरी दुनिया को शांति का संदेश दे रहा है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय भारत नेपाल सीमा पर है। इसलिए विश्वविद्यालय की भी भूमिका भारत नेपाल मैत्री को और बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगी। विधायक श्याम धनी राही ने कहा कि प्रदेश सरकार भारत और नेपाल के सीमावर्ती जिलों के बीच निरंतर संबंध की मजबूती के लिए कार्य कर रही है। लुंबिनी के विधायक विष्णु पंथी ने कहा कि नेपाल भारत का स्थाई और विश्वसनीय मित्र है।

भारत के लोग नेपाल के प्रति बहुत ही आत्मीय भाव रखते हैं। राजनीतिक स्तर पर भी इसे और मजबूत करने की जरूरत है। इस अवसर पर संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सहायक निदेशक डॉ. राजेश अहिरवार, डीएम डॉ.राजा गणपति आर, एसपी डॉ.अभिषेक महाजन, कुलसचिव डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. हरीश कुमार शर्मा, डॉ. रविकांत शुक्ल, प्रो. नीता यादव, डॉ.सुनीता त्रिपाठी आदि मौजूद रहीं।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में बुधवार को भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का सांसद जगदंबिका पाल, विधायक श्यामधनी राही, कुलपति प्रो. कविता शाह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। ●हिन्दुस्तान

- विवि में पढ़ रहे नेपाल के विद्यार्थी संबंध को प्रगाढ़ करने में निभा सकते हैं भूमिका
- भारत-नेपाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत बहुत गहरी : कुलपति

भारत-नेपाल संबंध को और मजबूत करने की जरूरत

पूर्व संघीय मंत्री नेपाल ईश्वर दयाल मिश्र ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और जनमानस का संबंध बहुत प्राचीन है। इसे और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय नेपाल के तमाम युवक अंग्रेजों के विरुद्ध भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ मिलकर क्रांति में भागीदार बने थे। जब नेपाल में जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया को अंग्रेजी सरकार के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था। उस समय नेपाली नागरिकों ने जेल पर धावा बोलकर भारत के इन दोनों क्रांति के वीरों को वहां से मुक्त कराया था। नेपाल के तीन-तीन प्रधानमंत्री भारतवंशी रहे हैं। नेपाल और भारत के बीच न केवल रोटी बेटी का संबंध है बल्कि जनमानस के बीच अत्यंत ही आत्मीय संबंध है। कई बार राजनीतिक कूटनीति के कारण असहमति के बावजूद भारत नेपाल के बीच संबंध बराबर बने हुए हैं। उसे और मजबूत करने की जरूरत है।

Publication	राष्ट्रीय सहारा (सिदधार्थनगर एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 05

महोत्सव से दोनों देश के संबंध होंगे मधुर : पाल

महोत्सव को संबोधित करते सांसद, दीप प्रज्वलित कर भारत नेपाल मैत्री महोत्सव का शुभारंभ करते दोनों देश के जनप्रतिनिधि व कार्यक्रम प्रस्तुत करते दिनेश लाल निरहुआ।

कपिलवस्तु(एसएनबी)। 8 स्थानों पर 19 दिवसीय भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के आयोजन का शुभारम्भ बुद्धवार को कपिलवस्तु स्थित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर में भारत नेपाल दोनों देशों के जनप्रतिनिधियों एवं कुलपति द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। भारत नेपाल मैत्री महोत्सव के मुख्य आकर्षण लोक गायक दिनेश लाल यादव निरहुआ का लोकगायन रहा।

महोत्सव का शुभारम्भ सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से हुआ जो 7 फरवरी तक विविध कार्यक्रमों के माध्यम से महोत्सव मनाया जाएगा। उसके पश्चात अन्य 7 सीमाई जिलों में इस कार्यक्रम का आयोजन होगा।

मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि दोनों देशों के सम्बन्ध को और मजबूत बनाने के लिए इस तरह के कार्यक्रमो का आयोजन बहुत जरूरी है। 2014 के बाद भारत के लिए नेपाल के साथ संबंध अत्यंत मधुर और भी विश्वसनीय बनाने की अनवरत प्रक्रिया चल रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का नेपाल के साथ बहुत ही आत्मीय एवं रागात्मक दृष्टि रही है।

अध्यक्षता कर रही सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह कहा कि भारत और नेपाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत बहुत गहरी है।'भारत और नेपाल के बीच न केवल रोटी बेटी का संबंध है अपितु विस्तृत संस्कृति के साथ सामाजिक आध्यात्मिक धार्मिक राजनीतिक और धार्मिक सम्बन्ध सदियो से रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेपाल सरकार में पूर्व संघीय मंत्री ईश्वर दयाल मिश्र ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सांसतिक और जनमानस का संबंध बहुत प्राचीन है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय नेपाल के तमाम युवक अंग्रेजो के विरुद्ध भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ मिलकर क्रांति में भागीदार बने थे। जब नेपाल में जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया को अंग्रेजी सरकार के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था। उस समय नेपाली नागरिको ने जेल पर धावा बोलकर भारत के इन दोनों क्रांति के वीरों को वहां से मुक्त कराया था। नेपाल के तीन-तीन प्रधानमंत्री भारतवंसी रहे हैं। नेपाल और भारत के बीच न केवल रोटी बेटी का संबंध है बल्कि जनमानस के बीच अत्यंत ही आत्मीय संबंध है। कार्यक्रम को लुम्बिनी प्रदेश कपिलवस्तु एक खा के विधायक विष्णु पंथी ने संबोधित करते हुए कहा की नेपाल भारत का स्थाई और विश्वसनीय मित्र है। भारत के लोग नेपाल के प्रति बहुत ही आत्मीय भाव रखते हैं। राजनीतिक स्तर पर भी इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजनो की जानकारी समय से मिलती तो नेपाल सरकार के तरफ से भी कार्यक्रम में अच्छी सहभागिता रहती। इस अवसर पर लुम्बिनी प्रदेश कपिलवस्तु जिले के के विधायक मकसूदन चौधरी ने कहा कि दोनों देशों के जनप्रतिनिधियों को मिलकर सम्बन्ध को और मजबूत बनाने के लिये पहल लगातार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत नेपाल सीमा अलीगढ़वा को खोलने के लिए केंद्रीय मंत्री बलराम अधिकारी सदन में उठाया गया है और डुमरियागंज सांसद द्वारा इस बर्डर को खोलने के लिए भी आश्वासन दिया गया है। इस अवसर जिला अधिकारी ड राजा गणपति आर, पुलिस अधीक्षक ड अभिषेक महाजन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विषय प्रस्तावना एवं स्वागत उोधन संसति विभाग उत्तर प्रदेश के सहायक निदेशक डक्टर राजेश अहिरवार ने दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के संसति विभाग की ओर से भारत नेपाल के सीमावर्ती आठ जिलों में भारत नेपाल मैत्री महोत्सव के माध्यम से दोनो देशों के बीच संबंध को और मजबूत बनाने का एक सकारात्मक अभियान का हिस्सा है यह मैत्री महोत्सव। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी और प्रभावपूर्ण रूप से यह कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है इसी क्रम में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सिद्धार्थनगर में 3 दिन के कार्यक्रम का आज उद्घाटन हो रहा है। इसके बाद शेष सात जिलों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलसचिव डक्टर अमरेंद्र कुमार सिंह, प्रोफेसर हरीश कुमार शर्मा, डक्टर रविकांत शुक्ला, प्रोफेसर नीता यादव, ड सुनीता त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन विजित सिंह ने किया। इसके उपरांत कार्यक्रम में अनेक मनमोहक एवं दिव्य भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से अयोध्या क्षेत्र का बधावा लोक नृत्य तथा लोकगीत प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में अयोध्या का ही फरवाही लोक नृत्य श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नेपाल के कलाकारो में भी बहुत अच्छी प्रस्तुतियां दी जिसमें उनके द्वारा काठमांडू का कौड़ा नृत्य तथा मारुनी नृत्य श्रोताओं को बहुत पसंद आया। पहले दिन के सांसतिक आयोजन का केंद्र भोजपुरी के स्टार अभिनेता एवं लोकगीतकार दिनेश लाल निरहुआ का कार्यक्रम रहा।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव

महोत्सव में मुख्य आकर्षण का केंद्र लोक गायक दिनेश लाल यादव निराहुआ का लोक गीत रहा जैसे ही दिनेश लाल यादव का आगमन मंच पर हुआ तैसे ही उनके फैन्स एवं उपस्थित श्रोताओं ने तालियों से उनका स्वागत कर मन मोह लिया। दिनेश लाल यादव ने जैसे ही माइक सम्भाला तैसे ही श्रोता गण स्वयं अपने स्थानों पर झूमने लगे। दिनेश लाल यादव ने जैसे ही गाना गाया मैरून कलर साड़ियां गाना तैसे ही पूरा पंडाल झूम उठा, फिर निरहुआ रिक्सा वाला पर भी लोग थिरकने लगे। श्रोताओं के डिमांड पर दिनेश लाल यादव ने जैसे ही गाना गाया की बाबा के बुलडोजर तैसे ही पूरे पंडाल में लोगो का उत्साह देखने को ही मिला फिर और उन्होंने जैसे गाया की बुलडोजर बाबा चाँप रहे हैं तैसे ही श्रोताओं ने गाना शुरू कर दिया माफिया हांफ रहे हैं। उसके बाद उन्होंने गया कि हे राजा हमके बनारस घुमाय द पर श्रोता झूम उठे, देखते ही देखते कार्यक्रम में आये अन्य कलाकर एवं दर्शक दीर्घा के लोग निराहुआ के गीतों पर थिरकने लगे।

कार्यक्रम में किसी को प्रतिबंधित नही करना चाहिए-निरहुआ भारत नेपाल मैत्री महोत्सव में आयोजक द्वारा आम जनमानस एवं बिना पास के लोगो के आने पर प्रतिबंध लगा देने पर गेट के बाहर भारत नेपाल दोनों देशो लोगो के नागरिको में काफी नाराजगी देखने को मिली। इस कार्यक्रम में सिर्फ लिमिटेड लोगो का ही प्रवेश निरहुआ ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमो में किसी को प्रतिबंधित नही करना चाहिए। दोनों देशों की संसति को साझा करने से दोनों देशों के सम्बन्धों को मजबूती मिलेगी। **सीमित रही कुर्सियां** नेपाल मैत्री महोत्सव में कुर्सियां सीमित होने से सैकड़ो श्रोता एवं अयोध्या से आये लोकनृत्य में भाग लेने वाले कलाकार व काठमांडू नेपाल के धापासी माध्यमिक विद्यालय से कार्यक्रम में प्रतिभाग करने छात्र छात्राए जमीन पर नीचे ही बैठकर कार्यक्रम का आनन्द लिये।

Publication	Bharat Samachar 24x7	Publishing Date :	6 FEB 2025	Online

https://bharatsamachar24x7.com

मैत्री महोत्सव में दिखा भारत-नेपाल सभ्यता और संस्कृति का संगम।

Publication	दैनिक भास्कर	Publishing Date :	6 FEB 2025	Online

https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/siddharthnagar/news/india-nepal-friendship-festival-begins-in-siddharthnagar-134424289.html

सिद्धार्थनगर में भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव शुरू: 23 फरवरी तक 8 सीमावर्ती जिलों में होंगे कार्यक्रम

इंतेजार हैदर | सिद्धार्थनगर 4 घंटे पहले

संगीत नाटक अकादमी में मनाया गया 'उल्लास उत्सव' का स्वर्ण जयंती समारोह

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 02

नवोदित कलाकारों की संगीत साधना को सम्मान

उल्लास समारोह में यूपी एसएनए की प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

जागरण संवाददाता • लखनऊ : सुगम संगीत, गायन, वादन और नृत्य (कथक) में विभिन्न स्तर पर उत्कृष्ट प्रस्तुतियां देने वाले नवोदित कलाकारों की साधना को बुधवार को सम्मान मिला। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी ने स्वर्ण जयंती वर्ष में 18 संभागों के 19 जिलों में आयोजित प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्हें अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह व निदेशक डा. शोभित कुमार नाहर ने प्रमाण पत्र और प्रतीक चिह्न प्रदान किए।

अकादमी के संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह में आयोजित उल्लास उत्सव में विभिन्न विधाओं में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता शामिल हुए। गायन के अंतर्गत ख्याल तराना, ध्रुपद-धमार, ठुमरी-दादरा, स्वर वाद्य के तहत गज वाद्य, तंत्र वाद्य, सुषिर वाद्य व अवनद्ध वाद्य के अंतर्गत-तबला, पखावज और कथक की स्पर्धाएं बाल, किशोर और युवा वर्गों में कराई गई थीं। लगभग एक हजार प्रतिभाओं ने संभाग स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इनमें प्रथम स्थान प्राप्त 154 अव्वल प्रतिभागियों ने प्रादेशिक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। संत गाडगे प्रेक्षागृह में गत 14 से 20 दिसंबर तक हुए फाइनल में 75 प्रतिभागियों को पुरस्कार के लिए चुना गया था। इन सभी के साथ केंद्र संयोजकों को भी सम्मानित किया गया।

बाल वर्ग में प्रथम पुरस्कार विजेता: बांदा के मो. बिलाल को सारंगी, वाराणसी के शिवांश को सितार, विंध्याचल के मयंक कुमार को बांसुरी, आगरा के नक्ष वरुण को तबला, अयोध्या के देव प्रकाश दुबे को पखावज, कानपुर के समिष्ठ अग्रवाल ख्याल तराना, कानपुर की दैव्या गुप्ता को ध्रुपद धमार, प्रयागराज की स्वास्ति टंडन को ठुमरी दादरा, कानपुर के समिष्ठ अग्रवाल गजल, लखनऊ के अर्थव मिश्रा को भजन और सहारनपुर की अनन्या सिंह को कथक प्रतिस्पर्धा में प्रथम पुरस्कार दिया गया।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह में आयोजित उल्लास उत्सव में प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह व निदेशक डा. शोभित कुमार नाहर • जागरण

किशोर वर्ग में इन्हें दिए गए प्रथम और द्वितीय पुरस्कार

वाराणसी के हेमंत कुशवाहा को वायलिन, लखनऊ की मिहिका गांगुली को सितार, लखनऊ के ओमकार बनौधा को बांसुरी, लखनऊ के सौहम मिश्रा को तबला, अयोध्या के अनुभव रामदास को पखावज, वाराणसी के प्रणव शंकर को ख्याल तराना, कानपुर के शाश्वत पांडेय को ध्रुपद धमार, वाराणसी की नित्या सेठ को ठुमरी दादरा, प्रयागराज की शुभि पांडेय को भजन, आगरा की अनीशा देव को गजल, मुरादाबाद की वेदांशी त्यागी को कथक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार दिया गया। वाराणसी के सूरज यादव, अनुराग व्यास व रिद्धिमा गुप्ता, मथुरा के हर्ष तोमर, विन्ध्याचल के कन्हैया पांडेय, हंशिका कोप्पिशेट्टी, प्रयागराज के गोपाल कुमार और लखनऊ की अनुष त्रिवेदी को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

युवा वर्ग में इन्हें पहला स्थान

वाराणसी की वैष्णवी श्री को बांसुरी, लखनऊ के आलोक मिश्रा को तबला, अयोध्या की कौशिकी झा को पखावज, वाराणसी के ईशान घोष को ख्याल तराना, मेरठ की आलिया खान को ठुमरी, अतरी के साकेत कुमार को ध्रुपद धमार, मेरठ की आलिमा खान को गजल, वाराणसी के ईशान घोष को भजन, लखनऊ की वल्लरी नारायण पाठक को कथक प्रतिस्पर्धा में प्रथम आने पर पुरस्कृत किया गया।

सांगीतिक समरसता को मिल रहा बढ़ावा

अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत ने कहा कि अकादमी के इस प्रयास से कला प्रेमियों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और समाज में रचनात्मकता व सांगीतिक समरसता को बढ़ावा मिल रहा है। इस प्रतियोगिता के विजेता कई प्रतिभागी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर आपनी विधा का परचम लहरा रहे हैं। समारोह में ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र के सचिव डा. देवेंद्र कुमार त्रिपाठी, राजा मान सिंह तोमर, संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति साहित्य कुमार नाहर को भी सम्मानित किया गया।

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 08

गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में बुधवार को आयोजित उल्लास उत्सव में संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत। -संवाद

संगीत के तरानों से जीता दिल, मिला पुरस्कार

संगीत नाटक अकादमी में उल्लास उत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के विजेता कलाकारों को बुधवार को पुरस्कृत किया गया। संत गाडगे प्रेक्षागृह में आयोजित उल्लास उत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में बाल, किशोर व युवा वर्ग में अलग-अलग विधाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर प्रदेश भर के 75 विजेताओं को पुरस्कार मिला। 20 केंद्र संयोजकों को भी अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह को पुरस्कार बांटने थे, मगर अपरिहार्य कारणों से वे समारोह में नहीं पहुंच सके। हालांकि उन्होंने अपना संदेश भेजवाया, जिसमें उन्होंने कहा कि उल्लास उत्सव प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शास्त्रीय एवं पारंपरिक कलाओं में युवाओं को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विशिष्ट अतिथि ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय सचिव देवेंद्र कुमार त्रिपाठी, उप्र संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह, निदेशक डॉ. शोभित नाहर ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

प्रतियोगिता का पहला चरण 14 अक्तूबर से 16 नवंबर 2024 तक आयोजित किया गया था, जिसमें 8 से 25 वर्ष की आयु के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। पहली बार, हल्के संगीत (लाइट म्यूजिक) की प्रतियोगिताओं को भी शामिल किया गया। इसमें सुगम संगीत, भजन और गजल भी शामिल किए गए।

क्षेत्रीय स्तर पर लगभग एक हजार प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। इनमें से 154 शीर्ष प्रतिभागियों का चयन प्रांतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया, जो 14 से 20 दिसंबर 2024 तक लखनऊ के संत गाडगे प्रेक्षागृह में आयोजित हुई थी।

20 केंद्र संयोजकों को भी किया गया सम्मानित

सभी विजेताओं के नाम जानने के लिए स्कैन करें क्यूआर कोड

लखनऊ के ये प्रतिभागी बने विजेता

बाल वर्ग

प्रथम स्थान : अथर्व मिश्रा, भजन।

द्वितीय स्थान : अमेया सिंह, सितार। दक्ष खटवा, बांसुरी।

किशोर वर्ग

प्रथम स्थान : मिहिका गांगुली, सितार। ओमकार बनौधा, बांसुरी। सोहम मिश्रा, तबला

द्वितीय स्थान : अनुषा त्रिवेदी, ख्याल तराना।

तृतीय स्थान : अनुषा त्रिवेदी, भजन।

युवा वर्ग

प्रथम स्थान : आलोक मिश्रा, तबला। वल्लरी नारायण पाठक, कथक।

द्वितीय स्थान : अभिषेक शुक्ला, पखावज।

तृतीय स्थान : आकांक्षा राय, तबला।

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 08

एसएनए में विभिन्न जिलों के प्रथम पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया

नृत्य, गायन, वादन में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले कलाकार पुरस्कृत

उल्लास उत्सव

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की ओर से उल्लास उत्सव बुधवार को संत गाडगे प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। समारोह में नृत्य, गायन और वादन में अव्वल प्रतिभागियों को पुरस्कार मिले।

अकादमी अध्यक्ष जयंत खोत ने कहा कि प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा 1975 से निरंतर प्रदेश के 18 मंडलों के 19 जनपदों में शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है।

प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 14 अक्टूबर से 16 नवम्बर 2024 तक 18 सम्भागों के 19 जनपदों में 11 विधाओं में नृत्य गायन और वादन की प्रतियोगिताएं 8 से 25 आयु वर्ग में करवाई गईं। पहली बार इसमें सुगम संगीत की प्रतिस्पर्धा को भी जोड़ा गया। उनमें से प्रथम स्थान प्राप्त 154 अव्वल प्रतिभागियों को प्रादेशिक प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया गया। यह प्रतियोगिता लखनऊ के संत गाडगे प्रेक्षागृह में दिसम्बर में हुई। पुरस्कारों के लिए 75 प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया। समारोह में ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केन्द्र सचिव डा. देवेन्द्र त्रिपाठी, अकादमी निदेशक डा. शोभित नाहर समेत अन्य मौजूद रहे।

एसएनए के संत गाडगे जी प्रेक्षागृह में बुधवार को उल्लास उत्सव: प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

युवा वर्ग में प्रथम

वाराणसी की वैष्णवी श्री को बांसुरी, लखनऊ के आलोक मिश्रा को तबला, अयोध्या की कौशिकी झां को पखावज, वाराणसी के ईशान घोष को ख्याल तराना, मेरठ की आलिया खान को ठुमरी, अतर्रा के साकेत कुमार को ध्रुपद धमार, मेरठ की आलिमा को गजल, वाराणसी के ईशान को भजन, लखनऊ की वल्लरी को कथक में प्रथम पुरस्कार मिला।

बाल वर्ग में प्रथम पुरस्कार से नवाजी गईं प्रतिभाएं

बांदा के मो. बिलाल को सारंगी, वाराणसी के शिवांश को सितार, विंध्याचल के मयंक कुमार को बांसुरी, आगरा के नक्ष वरुण को तबला, अयोध्या के देव प्रकाश दुबे को पखावज, कानपुर के समिष्ठ अग्रवाल ख्याल तराना, कानपुर की दैव्या गुप्ता को ध्रुपद धमार, प्रयागराज की स्वास्ति टंडन को ठुमरी दादरा, कानपुर के समिष्ठ अग्रवाल गजल, लखनऊ के अर्थव मिश्रा को भजन और सहारनपुर की अनन्या सिंह को कथक में प्रथम पुरस्कार मिला।

किशोर वर्ग के विजेता

वाराणसी के हेमंत को वायलन, लखनऊ की मिहिका को सितार, ओमकार को बांसुरी, सोहम को तबला, अयोध्या के अनुभव को पखावज, वाराणसी के प्रणव को ख्याल तराना, कानपुर के शाश्वत को ध्रुपद धमार, वाराणसी की नित्या को ठुमरी दादरा, प्रयागराज की शुभि को भजन, आगरा की अनीशा को गजल, मुरादाबाद की वेदांशी कथक में प्रथम रहीं।

Publication	नवभारत टाइम्स (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 04

उल्लास में चमके हुनरबाज़

एसएनए में प्रदेश स्तरीय संगीत प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

■ NBT न्यूज,लखनऊ

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की ओर से बुधवार को गोमतीनगर स्थित अकादमी परिसर के संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में उल्लास उत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में प्रदेश स्तरीय संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

संगीत नाटक अकादमी अकादमी के अध्यक्ष जयंत खोत ने कहा कि उल्लास-उत्सव बाल, किशोर और युवा कलाकारों को मंच पर लाकर परस्पर सीखने और अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करता है। इसका उद्देश्य भारतीय सांगीतिक धरोहर को संरक्षित करना ही नहीं बल्कि नई पीढ़ी को परिचित भी करवाना है। इस साल प्रतियोगिता में सुगम संगीत की प्रतिस्पर्धा को भी जोड़ा गया। अलीगंज स्थित ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय सचिव डॉ. देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। अकादमी के निदेशक शोभित नाहर, राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति साहित्य कुमार नाहर समेत कई लोग मौजूद रहे।

डॉक्टर परिवार की बेटी कथक में अव्वल

युवा वर्ग के कथक में पहला स्थान पाने वाली अलीगंज की वल्लरी नारायण पाठक के माता-पिता और दादा डॉक्टर्स हैं। वल्लरी ने बताया कि उन्हें डांस का शौक था तो उनकी मां उन्हें भातखंडे ले गईं, जहां उन्होंने 14 साल की उम्र में सीखना शुरू किया। 17 साल की उम्र में डॉ. पूर्णिमा पांडेय का सानिध्य मिला और तबसे उनसे सीख रही हूं। अब इसी में करियर बनाना चाहती हूं।

दादा ने दिखाई आगे बढ़ने की राह

झांसी के ओम झा को बाल वर्ग के तबला वादन में तीसरा पुरस्कार मिला। बीमारी से जूझ रहे ओम की आंखें पूरी तरह से खुल नहीं पाती, एक आंख में रोशनी नहीं है और एक में हल्की है। दादा पं रामभरोसे झा बताते हैं कि जब यह पैदा हुआ तो डॉक्टर ने कहा था कि यह देख नहीं सकता। तीन साल की उम्र में इंदौर के एक विशेषज्ञ को दिखाया तो उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे थोड़ी रोशनी आएगी। नम आंखों से बताया कि जब यह 4 वर्ष का था तो मैंने इसे तबला वादन की ट्रेनिंग दिलवाई जिससे किसी पर निर्भर ना रहना पड़े।

पिता की विरासत सहेज रहा सोहम

अलीगंज निवासी सोहम ने किशोर वर्ग के तबला वादन में पहला स्थान प्राप्त किया। बताया कि पिता डॉ. भारत कुमार मिश्र भातखंडे में शिक्षक थे। दादा पं. शीतला प्रसाद बनारस के वरिष्ठ तबला वादक कंठे महाराज के शिष्य हैं। 2021 में पिता का साथ छूटने के बाद अब दादा से सीखता हूं।

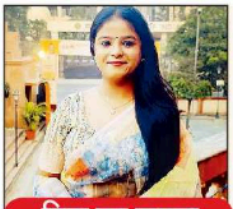

पिता का सपना पूरा कर रही

समारोह में ठुमरी और गजल युवा वर्ग में पहला स्थान मेरठ की 23 साल की आलिमा खान ने हासिल किया। आलिमा की बहन आलिया भी गाती हैं। आलिमा ने बताया कि पिता शाहिद अनवर खान को गाने का बहुत शौक था लेकिन सही मार्गदर्शन ना मिलने की वजह से वो इस दिशा में आगे नहीं बढ़ पाए। अब मैं उनके ख्वाबों को उड़ान देना चाहती हूं। माता-पिता हमेशा साथ देते हैं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। बहन आलिया ने 2018 में सीएम योगी के सामने श्री कृष्ण बनकर गीता के श्लोक गाए थे। लोगों ने विरोध किया पर पिता ने कहा मुझे मेरी बेटी पर गर्व है। मैंने रामपुर के उस्ताद ओसामा खान से संगीत की शिक्षा ली है।

इन्हे मिला सम्मान

बाल वर्ग: बांदा के मो. बिलाल को सारंगी, वाराणसी के शिवांश को सितार, विंध्याचल के मयंक कुमार को बांसुरी, आगरा के नक्ष वरुण को तबला, अयोध्या के देव प्रकाश दुबे को पखावज, कानपुर के समिष्ठ अग्रवाल को ख्याल तराना, कानपुर की दैव्या गुप्ता को ध्रुपद धमार, प्रयागराज को स्वास्ति टंडन को ठुमरी दादरा, कानपुर के समिष्ठ अग्रवाल को गजल, लखनऊ के अर्थव मिश्रा को भजन और सहारनपुर की अनन्या सिंह को कथक प्रतिस्पर्धा में प्रथम आने पर पुरस्कृत किया गया।

किशोर वर्ग: वाराणसी के हेमंत कुशवाह को वायलिन, लखनऊ की मिहिका गांगुली को सितार, लखनऊ के ओमकार बनौधा को बांसुरी, लखनऊ के सोहम मिश्रा को तबला, अयोध्या के अनुभव रामदास को पखावज, वाराणसी के प्रणव शंकर को ख्याल तराना, कानपुर के शाश्वत पाण्डेय को ध्रुपद धमार, वाराणसी की निया सेठ को ठुमरी दादरा, प्रयागराज की शुभि पांडेय को भजन, आगरा की अनीशा देव को गजल, मुरादाबाद की वेदांशी त्यागी को कथक में अव्वल आने पर पुरस्कृत किया गया।

युवा वर्ग: वाराणसी की वैष्णवी श्री को बांसुरी, लखनऊ के आलोक कुमार मिश्रा को तबला, अयोध्या की कौशिकी झा को पखावज, वाराणसी के ईशान घोष को ख्याल तराना, मेरठ की आलिया खान को ठुमरी, अतरां के साकेत कुमार को ध्रुपद धमार, मेरठ की आलिमा खान को गजल, वाराणसी के ईशान घोष को भजन, लखनऊ की वल्लरी नारायण पाठक को कथक प्रतिस्पर्धा में प्रथम आने पर पुरस्कृत किया गया।

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 07

उल्लास उत्सव प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के पुरुस्कार वितरण समारोह मे मौजूद लोग। अमृत विचार

प्रतियोगिताओं से कला प्रेमियों में होता है ऊर्जा का संचार : जयंत

संगीत नाटक अकादमी की प्रदेश स्तरीय वृहद संगीत प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की ओर से बुधवार को अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में उल्लास उत्सव का आयोजन किया गया। अकादमी अध्यक्ष जयंत खोत ने प्रदेश स्तरीय वृहद संगीत प्रतियोगिता के स्वर्ण जयंती वर्ष के आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के इस प्रयास से कला प्रेमियों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और समाज में रचनात्मकता और सांगीतिक समरसता को बढ़ावा मिल रहा है।

समारोह में अलीगंज स्थित ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय सचिव डॉ. देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी और राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति साहित्य कुमार नाहर अतिथियों के रूप में मौजूद रहे।

संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष जयंत खोत ने बताया कि उल्लास-उत्सव बाल, किशोर और युवा कलाकारों को मंच पर लाकर परस्पर सीखने और अनुभव साझा करने का अवसर देता है। उन्होंने बताया कि संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में संभाग स्तर पर एक हजार प्रतिभागियों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनमें से प्रथम स्थान प्राप्त 154 अव्वल प्रतिभागियों को प्रादेशिक प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया गया। यह प्रतियोगिता लखनऊ में 14 से 20 दिसम्बर तक हुई।

▸▸ उल्लास उत्सव में सम्मानित हुए 75 कलाकार

इस समारोह में पुरस्कृत प्रतिभागियों को अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह और निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी। पुरस्कारों के लिए कुल 75 प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया था।

इस प्रतियोगिता में बाल वर्ग में बांदा के मोहम्मद बिलाल को सारंगी, वाराणसी के शिवांश को सितार, विंध्याचल के मयंक कुमार को बांसुरी, आगरा के नक्ष वरुण को तबला, अयोध्या के देव प्रकाश दुबे को पखावज, कानपुर के समिष्ठ अग्रवाल को ख्याल तराना और गजल, कानपुर की दैव्या गुप्ता को ध्रुपद धमार, प्रयागराज की स्वास्ति टंडन को ठुमरी दादरा, लखनऊ के अथर्व मिश्रा को भजन और सहारनपुर की अनन्या सिंह को कथक प्रतिस्पर्धा में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

किशोर वर्ग में वाराणसी के हेमंत कुमार कुशवाहा को वायलिन, लखनऊ की मिहिका गांगुली को सितार, लखनऊ के ओमकार बनौधा को बांसुरी, लखनऊ के सोहम मिश्रा को तबला, अयोध्या के अनुभव रामदास को पखावज, वाराणसी के प्रणव शंकर को ख्याल तराना, कानपुर के शाश्वत पाण्डेय को ध्रुपद धमार, वाराणसी की नित्या सेठ को ठुमरी दादरा, प्रयागराज की शुभि पाण्डेय को भजन, आगरा की अनीशा देव को गजल, मुरादाबाद की वेदांशी त्यागी को कथक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार दिया गया।

युवा वर्ग में वाराणसी की वैष्णवी श्री को बांसुरी, लखनऊ के आलोक कुमार मिश्रा को तबला, अयोध्या की कौशिकी झा को पखावज, वाराणसी के ईशान घोष को ख्याल तराना, मेरठ की आलिया खान को ठुमरी, अतर्रा के साकेत कुमार को ध्रुपद धमार, मेरठ की आलिमा खान को गजल, वाराणसी के ईशान घोष को भजन, लखनऊ की वल्लरी नारायण पाठक को कथक प्रतिस्पर्धा में प्रथम आने पर पुरस्कृत किया गया।

केन्द्र संयोजकों में विधा, आगरा के राजबहादुर सिंह, अयोध्या की डॉ. कल्पना एस वर्मन, कानपुर की डॉ. संगीता श्रीवास्तव, गोरखपुर के नीरज त्रिपाठी, मथुरा के डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल, प्रयागराज की डॉ. रेनू जौहरी, बहराइच के जसवीर सिंह, विंध्याचल की पूजा केसरी, मऊ के गिरिजा शंकर त्रिपाठी, वाराणसी की संगीता सिन्हा, बांदा के धनंजय सिंह, अतर्रा के रमेश चन्द्र मौर्या, झांसी के समीर भालेराव, सहारनपुर की रंजना नैथ, मेरठ की ऋचा शर्मा, मेरठ की प्रो. भावना ग्रोवर, बरेली के डॉ. मदन मोहन लाल, मुरादाबाद के आदर्श भटनागर, गाजियाबाद की समीक्षा शर्मा और उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर शामिल रहे।

Publication	तरुणमित्र (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	6 FEB 2025	Page- 07

अनुषा त्रिवेदी ने जीते दो पुरस्कार

हरदोई, 05 फरवरी (तरूणमित्र)। स्थित उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता 2024-25 के स्वर्ण जयंती वर्ष उल्लास उत्सव में अनुषा त्रिवेदी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। किशोर वर्ग की शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में उन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि भजन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया। आयोजित सम्मान समारोह में अनुषा त्रिवेदी को डॉ. शोभित कुमार नाहर, निदेशक, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, श्रीमती विभा सिंह, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, और प्रोफेसर जयंत खोत, अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादमी ने प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अनुषा त्रिवेदी की संगीत साधना और समर्पण की सराहना की। उन्होंने प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। अनुषा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

Publication	दैनिक भास्कर	Publishing Date :	6 FEB 2025	Online

https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/lucknow/news/talent-of-youth-seen-in-ullas-utsav-134421704.html#:~:text=

उल्लास उत्सव में दिखी युवाओं की प्रतिभा: 1000 कलाकारों ने दिखाया हुनर, संगीत नाटक अकादमी में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

लखनऊ 13 घंटे पहले

Publication	अमर उजाला	Publishing Date :	6 FEB 2025	Online

https://www.amarujala.com/lucknow/artists-of-uttar-pradesh-reached-golden-jubilee-celebration-of-ullas-utsav-at-sangeet-natak-academy-2025-02-05

UP: संगीत नाटक अकादमी में उल्लास उत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में पहुंचे प्रदेश के कलाकार, विजेता हुए पुरस्कृत

माई सिटी रिपोर्टर, लखनऊ Published by: Vikas Kumar Updated Wed, 05 Feb 2025 11:26 PM IST

सार

146496 Followers लखनऊ

संत गाडगे प्रेक्षागृह में आयोजित उल्लास उत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में बाल, किशोर व युवा वर्ग में अलग-अलग विधाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर प्रदेश भर के 75 विजेताओं को पुरस्कार मिला।

प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत - फोटो : अमर उजाला